PAGE -----
DATE ------

अभ्यास प्रश्नपत्र-२
कक्षा - छह
हिन्दी साहित्य
पाठ - हीरा और कोयला

प्र०। दिये गये गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये -

तू तो एक कंकड़ जैसा खान से बाहर आता है। वह तो हीरा-तराश तुझे यह कृत्रिम रूप देता है। तेरा अपना मौलिक प्रकाश कहाँ ? तू तो समस्त वर्णों और प्रकाशों से शून्य है। तुझमें जैसी छाया पड़ी, वैसा ही बन जाता है। गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास।

1. कौन किससे कह रहा है ?

2. 'कृत्रिम रूप' देने का क्या अर्थ है ?

3. 'गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास' का आशय स्पष्ट कीजिये।

Scanned with CamScanner

DATE _____

अभ्यास प्रश्नपत्र-२
हिन्दी साहित्य
पाठ - हीरा और कोयला

प्रश्न

(क) हीरा स्वयं को कोयले का सहोदर क्यों नहीं मानना चाहता ?

(ख) कोयला गरीबों की जरूरतें कैसे पूरी करता है?

(ग) हीरा स्वतंत्रतापूर्वक दर-दर क्यों नहीं जा सकता?

(घ) 'हीरा और कोयला' पाठ के लेखक का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

Scanned with CamScanner